Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बागेश्वर में बारिश थमी, लेकिन 18 सड़कें अब भी है बंद

दिक्कतें चीन सीमा से भी संपर्क कटा, अब भी यातायात के लिए सुचारु नहीं

संवाददाता

बागेश्वर। बागेश्वर जिले में बारिश का दौर थम गया है, लेकिन एक जिला मार्ग समेत 17 ग्रामीण मार्ग अब भी यातायात के लिए सुचारु नहीं हो सके हैं। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। आसमान में बादल छाते ही फिर भूस्खलन और मलबा गिरने का भय बना हुआ है। चीन सीमा तक जाने वाले मार्ग के बंद होने से उच्च हिमालय जाने के लिए इनर लाइन परमिट पर तीन दिन के लिए रोक लगा दी है।

बीते 29 और 30 जून को कपकोट, दुगनाकुरी तहसील क्षेत्र में अतिवृष्टि हुई। जिसके जख्म अभी नहीं भर सके हैं। जिसके कारण 18 सड़कों पर अभी यातायात सुचारु नहीं हो सका है। शुक्रवार को कमेड़ीदेवी, असों–बकसूना, नामतीचेटाबगड़, असों–बैड़ापाकड़, हरसिंग्याबगड़ विनायक गोगिना, पोथिंग–शोभाकुंड, कपकोट–गैरखेत, गडेरा, झारकोट सुंदिल–जुन्याल, कठपुड़ियाछीना, जैंसर–रियूनीलखमार, खातीगांव देवतोली, हरिसला–पुड़कुनी, बड़ीपन्याली–तोली, सनेती, कपकोट कर्मी, बैड़ा–मझेड़ा–जारती समेत 17 ग्रामीण और एक जिला मार्ग बंद रहे।

इनर लाइन परमिट पर तीन दिन के लिए रोकः धारचूला। मौसम विभाग की चेतावनी और चीन सीमा तक जाने वाले मार्ग के बंद होने से उच्च हिमालय जाने के लिए इनर लाइन परमिट पर तीन दिन के लिए रोक लगा दी है। आदि कैलास यात्रा पर जा रहा दल धारचूला में ही रोका गया है।

आदि कैलास और ओम पर्वत को जाने वाला तवाघाट–लिपुलेख मार्ग तवाघाट से मालपा तक बंद हो चुका है।मलगाड़ के पास पहाड़ की तरफ से पत्थर और मलबा गिर रहा है। मार्ग पर खतरा बना हुआ है। जिसे देखते हुए प्रशासन ने इनर लाइन परमिट जारी करने बंद कर दिए हैं। प्रशासन के अनुसार खतरे को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इनर लाइन परमिट जारी नहीं होने से आदि कैलास जा रहे पंद्रहवें दल के यात्री धारचूला में ही प्रवास कर रहे हैं।

वहीं चीन सीमा को जोडने वाला तवाघाट–सोबला–दारमा मार्ग तवाघाट से कंच्योती के बीच खेत व एक अन्य स्थान पर मलबा आने से बंद हो गया है। जिसके चलते उच्च हिमालयी दारमा का भी सम्पर्क भंग है। व्यास मार्ग पूर्व में ही बंद हो चुका है। खेत नामक स्थान पर मार्ग बंद होने से चौदास घाटी , नारायण आश्रम का भी सम्पर्क कट चुका है।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति ने वरिष्ठ लेखक आरके वर्मा के निधन पर शोक जताया

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के आरिफ वारसी और दिशा संस्था के उपाध्याय प्रभात डंडरियाल ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए डॉक्टर डे के अवसर पर जनपद के समस्त डाक्टरों चिकित्सकों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वारसी और डंडरियाल ने सरकार से भी मांग कि हैं कि वह डॉक्टरों के उत्थान हेतु काम करें। साथ ही संघर्ष समिति ने वरिष्ठ लेखक, साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर आरके वर्मा जी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। समिति ने कहा कि आज हमने जनपद के महान पत्रकार साहित्यकार और फिल्म निर्माता निर्देशक को हमेशा के लिए खो दिया है जिसकी पूर्ति होना असंभव है वह एक पत्रकार और फिल्म निर्माता के अलावा एक बेहतर इंसान थे जिनको कभी भुलाया नहीं जा सकता।

एकम्स ड्रग्स को दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए ईयू जीएमपी की मिली मंजूरी

संवाददाता हरिद्वार। भारत की प्रमुख कॉन्ट्रेक्ट मैन्युफैक्चरिंग फार्मास्यूटिकल कंपनी श्एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेडश् ने हाल ही में हरिद्वार में अपनी दो मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स के लिए प्रतिष्ठित यूरोपीय यूनियन (ईयू) के कड़े गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) की मंजूरी हासिल की है। इस प्रतिष्ठित मंजूरी के बाद एकम्स को यूरोपीय और अन्य कड़े नियामक बाजारों में कम्पनी की उपस्थिति को स्थापित करने का मौका मिल गया है। कम्पनी को मिली यह मंजूरी एकम्स के क्वालिटी फर्स्ट दृष्टिकोण का सम्मान है। इस दृष्टिकोण का समर्थन सभी शीर्ष भारतीय और मल्टी नेशनल दवा कंपनियों द्वारा किया जाता है।

टोयोटा ने भारत में प्रतिष्ठा वाले बी–एसयूवी सेगमेंट में किया प्रवेश

संवाददाता देहरादून। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत में बी एसयूवी सेगमेंट में नए अर्बन क्रूजर हाई राइडर का अनावरण किया। यह टोयोटा की पहली सेल्फ–चार्जिंग स्ट्रांग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक एसयूवी है जो भारत में अपनी तरह की पहली, बी एसयूवी सेगमेंट में है। टोयोटा की टिकाऊ मोबिलिटी पेशकशों में से एक के रूप में, अर्बन क्रूजर हाई राइडर को अपनी बोल्ड और परिष्कृत स्टाइल तथा उन्नत तकनीकी विशेषताओं के साथ टोयोटा की वैश्विक एसयूवी श्रृंखला में होना उसकी विरासत है, जो इसे इस सेगमेंट में एक आदर्श विकल्प बनाती है। नया मॉडल एक शानदार शांत केबिन के साथ सर्वोच्च प्रदर्शन और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता प्रदान करता है, इससे नई एसयूवी भारतीय कार खरीदार की विविध आवश्यकताओं के लिए एक आदर्श मेल बन जाती है।

नशाखोरी के खिलाफ एक ओर स्मैक तस्कर को पुलिस ने दबोचा

8.30 ग्राम अवैध स्मैक बरामद, मोरी ले जा रहा था बेचने

संवाददाता पुरोला। नशामुक्त उत्तरकाशी अभियान के तहत एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने सीओ सुरेंद्र सिंह भंडारी,थानाध्यक्ष अशोक कुमार के नेतृत्व में गत देर सांय पुरोला मुख्यालय से करीब 3 किमी गुंडाडा बैंड मोरी रोड पर चौकिंग के दरमियान 8.30 ग्राम स्मैक के साथ जसपाल राणा पुत्र सोबन सिंह राणा निवासी नैटवाड़,मोरी को अवैध स्मेक के साथ धर दबोचा जब वह न07DS–7826 स्कूटी से पुरोला से मोरी की ओर जा रहा था।

स्मैक तस्कर जसपाल राणा के पास 8.30 ग्राम स्मैक बरामद की गई जिसकी कीमत लगभग 83 हजार बताई जा रही है। पुलिस पूछताछ पर आरोपित ने कबूल किया कि वह देहरादून से स्मेक खरीद कर अच्छे मुनाफे में मोरी,नैटवाड़ आदि स्थानों में बेचता है। स्मैक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर एनडीपीएस के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश कर अग्रिम कार्यवाही गतिमान है।

थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने कहा कि चेकिंग के दौरान मोरी रोड में घुंडाड़ा बैंड के समीप जसपाल राणा पुत्र सोबन सिंह राणा के पास 8.30 ग्राम स्मैक बरामद हुई,मुकदमा दर्ज किया गया है आगे की कार्यवाही गतिमान है।

बरामदगी टीम में एसआई देवेंद्र पंवार,कॉन्स्टेबल सत्यपाल,मुकेश तोमर,अजयदत्त,अनिल व औसफ खान थे।

बरसात ने खोली आपदा नियंत्रण तैयारियों की पोल

संवाददाता बागेश्वर। बरसात ने तबाही मचानी शुरू कर दी है। जिससे सिस्टम की काहिली भी उजागर हो रही है। भूस्खलन से प्रभावित कपकोट के कुंवारी गांव के लोगों का 2013 से अब तक विस्थापन नहीं हो सका है। वहीं, सुमगढ़ शिशु मंदिर में 18 अगस्त 10 में आई आपदा से 18 बच्चे जिंदा जमींदोज हो गए थे। वर्तमान में बारिश के लिए जिले को अलर्ट किया गया है। बारिश से सबसे अधिक नुकसान ग्रामीण क्षेत्रों को हो रहा है। रास्ते भूस्खलन की भेंट चढ़ गए हैं। खड़िया खदान क्षेत्रों से बारिश के साथ बहकर आने वाला मलबा भी ग्रामीण इलाके के लिए सिरदर्द बना है। सरयू और गोमती नदी किनारे बसे नगर को भी नदियों में बढ़ रहे पानी से खतरा मंडराने लगा है।

दस हजार आबादी को बेहतर स्वास्थ सेवा न मिल पाना चिंता का विषय

■मशीनें पड़ी–पड़ी फांक रही धूल
■ अल्ट्रासाउंड मशीनों को चलाने वाले डॉक्टर तक नहीं

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत तहसील क्षेत्र डीडीहाट के सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में स्वास्थ सेवा लडखडानें लगी है। बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में स्वास्थ सेवा राम भरोसे चल रही है। जानकारी जो हाथ लगी है उसके मुताबिक स्वास्थ केंन्द्र में अल्ट्रासाउंड मशीनों को चलाने वाले डॉक्टर तक नही है। वही जो मशीनें काम की है वे मशीने पड़ी–पड़ी धूल फांक रही है। आलम यह है कि सीमांत तहसील की दस हजार आबादी को सरकारी स्वास्थ सेवा के नाम पर छला जा रहा है।

स्वास्थ केंन्द्र में इलाज के लिए दूर दराज से आने वाले बीमार मरीजों को ऐसे हालातों में जिला मुख्यालय के अस्पताल में मजबूरी में आना पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में जनरेटिक दवाओं का भी टोटा है। क्षेत्र में लंबे समय से बाल चिकित्सक व महिला चिकित्सक का पद खाली पड़ा हुआ है।

दस हजार से अधिक आबादी वाले क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में चिकित्सकों की कमी मरीजों पर भारी पड़ती नजर आ रही है। बीमार मरीजों को इलाज कराने के लिए 40 किमी दूर जिला मुख्यलय आने को विवश होना पड़ रहा है।

बता दें कि क्षेत्र के लोगों में अस्पताल की बदहाली को लेकर खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र स्वास्थ सेवाओं में सुधार नही किया गया तो वे लोग आंदोलन करने को बाध्य होगे। अल्ट्रासांड मशीने भी बिना डाक्टर के अभाव में चलाने वाला कोई भी मौजूद नही है। क्षेत्र के लोगों ने लच्चर हो चुकी स्वास्थ सेवाओं को लेकर खासा आक्रोश जताया है। क्षेत्र के लोगों ने जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी को एक शिकायती पत्र सौपा है।

वहीं लोगों ने यथाशीघ्र क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ केंन्द्र में स्वास्थ सेवा चाकचौबंध करने की मांग की है। नाराज लोगो ने क्षेत्र के विधायक बिशन सिंह चुफाल पर क्षेत्र की उपेक्षा किये जाने की बात कही है।

प्रो. नौटियाल बने पर्यावरण संस्थान कोसी के नए निदेशक

संवाददाता अल्मोड़ा। प्रो. सुनील नौटियाल ने गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल में निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। नियुक्ति के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं बताईं। पदभार ग्रहण करने से पूर्व प्रो. नौटियाल बंगलुरु स्थित सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान के पारिस्थितिक अर्थशास्त्र और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष रहे। उन्होंने अपना शोध कार्य पीएचडी गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल में प्रो. आरके मैखुरी के दिशा निर्देशन में किया। 1998–99 में उन्होंने एनबीएन गढ़वाल विश्वविद्यालय से डाक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की। प्रो. नौटियाल की विशेषज्ञता सामाजिक पारिस्थितिकी शोध में है। जलवायु परिवर्तन और सामाजिक पारिस्थितिकी विकास की गतिशीलता जैसे शोध विषय शामिल हैं। अभी तक वह 180 से अधिक शोध पत्र और लेख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।